I.C.S.E

कक्षा : IX - X

हिन्दी

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. बढ़ती प्रदूषण समस्या और उसके समाधान पर प्रस्ताव लिखें।
2. इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता तथा उससे होने वाले लाभ-हानि का जिक्र करते हुए प्रस्ताव लिखें।

3. मित्रता अनमोल धन है इस आधार पर सच्चे मित्रों की गुणों की चर्चा करते हुए सच्चे मित्र पर प्रस्ताव लेखन कीजिए।
4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : -

   'अपना हाथ जगन्नाथ।'
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) पिछले सप्ताह आपके विद्यालय के छात्रों ने 'वृक्ष हमारे मित्र' शीर्षक से शहर के कई सार्वजनिक स्थलों पर जनता को वृक्षों का महत्त्व बताने के लिए सभाएँ तथा गोष्ठियाँ कीं तथा पार्कों में वृक्षारोपण किया। इसकी सूचना देते हुए जनसत्ता समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

(ii) मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर बधाई-पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

'विद्यार्थी' शब्द का जन्म विद्या से हुआ है। विद्या द्वारा मनुष्य एक अच्छा मनुष्य एवं अच्छा नागरिक बनता है और देश की प्रगति में सहभागी होता है। इसलिए सबको आदर्श विद्यार्थी बनने का प्रयास करना चाहिए। 'आदर्श विद्यार्थी' इन शब्दों का उच्चारण करते हुए हमें ऐसे व्यक्ति का स्मरण हो आता है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्राप्त करना होता है। वह विद्या-अनुरागी, जिज्ञासु, परिश्रमी, सदाचारी और सुशील होता है। आदर्श विद्यार्थी मात्र अपनी कक्षा की पुस्तकों से संतुष्ट नहीं होता बल्कि वह अन्य पुस्तकों, पत्र और पत्रिकाओं का भी समान रुप से अध्ययन करता है। पढ़ाई के अलावा खेलकूद व अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। उसे विद्यालय में होने वाली सभी तरह की गतिविधियों में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए। एक आदर्श विद्यार्थी अपने लक्ष्य को हमेशा ध्यान में रखता है। जीवन को सही दिशा देना ही एक आदर्श विद्यार्थी का कार्य होता है। हमारी शिक्षा हमें पैरों में खड़े रहना सिखाती है। जो विद्या दूसरों के हितों और कार्यों के लिए समर्पित हो, वही सही सच्चे अर्थों में शिक्षा कहलाती है। आदर्श विद्यार्थी को चाहिए अपनी शिक्षा का सदुपयोग करते हुए सबके हितों के लिए कार्य करे।

1. 'विद्यार्थी' शब्द का जन्म किससे से हुआ है?
2. विद्या का मनुष्य पर क्या प्रभाव होता है?
3. 'आदर्श विद्यार्थी' में कौन-कौन से गुण होते है?
4. हमारी शिक्षा हमें क्या सिखाती है?
5. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : -

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : - [1]
   - सभा -
   - पुरुष -

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]

   बुद्धि -

   मनुष्य -

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - इहलोक -
   - उत्कर्ष -
   - उधार -
   - कड़वा -

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : - [1]
   - समान -
   - जीना -

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - काला अक्षर भैंस बराबर -
   - आँखों का तारा -

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) उसकी बात सुनकर मैं घबरा गया। ('घबराहट' का प्रयोग कीजिए।) [1]

(b) उसका प्रयास प्रशंसा के योग्य है। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]

(c) अध्यापक छात्र को पढ़ाता है। (द्वारा शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"लालबिहारी को भावज की यह ढिठाई बुरी मालूम हुई तिनकर बोला मैके में तो जैसे घी की नदियाँ बहती हो। स्त्रियाँ गालियाँ सह लेती है, मार भी सह लेती है, पर उससे मैके की निंदा नहीं सही जाती।"

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. आनंदी और उसके देवर के बीच झगड़े का क्या कारण था? [2]
2. लालबिहारी के किस कथन से आनंदी को दुःख पहुँचा और क्यों? [2]
3. उपर्युक्त संवाद का प्रसंग स्पष्ट कीजिए? [3]
4. स्त्रियाँ गालियाँ सह लेती है, मार भी सह लेती है, पर उससे मैके की निंदा नहीं सही जाती से क्या तात्पर्य है? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वर्षा के अनंतर एक दो दिन में ही पृथ्वी के ऊपर का पानी तो अगोचर हो जाता है, परंतु भीतर-ही-भीतर उसकी आर्द्रता जैसे बहुत दिन तक बनी रहती है, वैसे ही उसके अंतस्तल में वह शोक जाकर बस गया था।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. उपर्युक्त कथन किससे संबंधित है? उसका परिचय दें। [2]
2. प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
3. नन्हें बालक के लिए माँ का वियोग सबसे बड़ा वियोग होता है स्पष्ट करें। [3]
4. श्यामू अकसर शून्य में क्यों ताका करता था? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

विपत्ति में भी मेरे पति ने धर्म नहीं छोड़ा। धन्य हैं मेरे पति! सेठ के चरणों की रज मस्तक पर लगाते हुए बोली, "धीरज रखें, भगवान सब भला करेंगे।"

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता का परिचय दें। [2]
2. वक्ता ने अपने पति की रज मस्तक पर क्यों लगाई? [2]
3. सेठानी भौचक्की-सी क्यों खड़ी हो गई? [3]
4. सेठ को धन की प्राप्ति किस प्रकार हुई? [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैं पूर्णता की खोज में
दर-दर भटकता ही रहा
प्रत्येक पग पर कुछ न कुछ
रोडा अटकता ही रहा
निराशा क्यों मुझे?
जीवन इसी का नाम है,
चलना हमारा काम है।
साथ में चलते रहे
कुछ बीच ही से फिर गए
गति न जीवन की रूकी
जो गिर गए सो गिर गए
रहे हर दम,
उसी की सफलता अभिराम है,
चलना हमारा काम है ।
कविता- चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. प्रस्तुत कविता में कवि दर-दर क्यों भटकता है? [2]
2. 'जीवन इसी का नाम है से क्या तात्पर्य है? [2]
3. 'जो गिर गए सो गिर गए रहे हर दम, उसी की सफलता अभिराम है, चलना हमारा काम है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - रोड़ा, निराशा, अभिराम [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह दिनकर

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]
3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये

बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरकाए।

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [2]
2. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]
3. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - बन ठन के, बाँकी चितवन, पाहून, ठिठकना, बयार, गरदन [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अपराध और किसका है। सब मुझी को दोष देते हैं। मिसरानी कह रही थी बहू किसी की भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. यहाँ पर किसके कौन-से अपराध की बात हो रही है? [2]
2. माँ ने अविनाश की बहू को क्यों नहीं अपनाया? समझाकर लिखिए। [2]
3. बहू ने किसे और किस बीमारी से प्राण देकर बचा लिया? [3]
4. बहू किसकी, कौन और किस जाति की थी? [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान को जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी की विदा करना चाहती हो तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजें।

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. वक्ता और श्रोता कौन है? [2]
2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]
3. जीवनलाल के अनुसार किस वजह से उनके नाम पर धब्बा लगा है? [3]
4. 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ.रामकुमार वर्मा

1. उपयुक्त वाक्य का प्रसंग स्पष्ट करें। [2]
2. पन्ना ने कुँवर को सुरक्षित स्थान पर किस तरह पहुँचाया? [2]
3. पन्ना ने क्या बलिदान दिया? [3]
4. प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए। [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह स्वयं ही दृढ़ता व साहस की मूर्ति थी। उतार चढ़ाव तो हर इंसान की जिंदगी में आते ही रहते हैं। उसने विवाह का सपना ही देखना छोड़ दिया। उसके सामने इतनी लंबी जिंदगी पड़ी थी, जिसका वह एक क्षण भी व्यर्थ नहीं होने देना चाहती थी।

1. लेखिका मीनू को दृढ़ता व साहस की मूर्ति क्यों कह रही है? [2]
2. विवाह के अलावा मीनू के जीवन का लक्ष्य क्या था? [2]
3. मीनू समाज के झूठे आवरण को हटाकर एक सत्य दिखाना चाहती है - स्पष्ट कीजिए। [3]
4. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]
2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]
3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]
4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूसरे दिन प्रातः होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है? [2]
2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [2]
3. "विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ...." विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]
4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. बढ़ती प्रदूषण समस्या और उसके समाधान पर प्रस्ताव लिखें।
   आज के विज्ञान-युग में प्रदूषण की समस्या एक बड़ी चुनौती है। प्रदूषण का अर्थ है - वायुमंडल या वातावरण का दूषित होना। प्रदूषण कई तरह का होता है - जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण, रासायनिक आदि।

उद्योगों के विस्तार के कारण प्रदूषण और भी अधिक बढ़ा है। जहरीले पदार्थ, झीलों, झरनों, नदियों, सागरों तथा अन्य जलाशयों में जाते हैं तो इससे पानी प्रदूषित हो जाता है, उसकी गुणता घट जाती है। इसके अलावा नदी-तालाबों में लोगों का नहाना, कपड़े धोना, जानवरों की गंदगी डालने के कारण जल प्रदूषित होता है जिससे तरह-तरह के रोग फैलते हैं।

वायु में हानिकारक पदार्थों को छोड़ने से वायु प्रदूषित हो जाती है। यह स्वास्थ्य समस्या पैदा करती है तथा पर्यावरण एवं संपत्ति को नुकसान पहुँचाती है। इससे ओजोन पर्त में बदलाव आया है जिससे मौसम में परिवर्तन हो गया है।

मशीन, रेलगाडियाँ, पटाखे, रेडियो व लाउड-स्पीकर तेज़ी से बजाना आदि से ध्वनि प्रदूषण फैलता हैं। ध्वनि प्रदूषण नींद, सुनना, संवाद यहाँ तक शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

हम प्रदूषण को रोकने के लिए कुछ निम्न उपायों को अपना सकते हैं जैसे - ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए घर में टी.वी., संगीत संसाधनों की आवाज धीमी रखें, कार का हार्न अनावश्यक न बजायें, लाउड स्पीकर का प्रयोग न करें, शादी विवाह में बैंड-बाजे-पटाखे आदि व्यवहार में न लाऐं।

वायु प्रदूषण से बचने के लिए - घर, फैक्ट्री, वाहन के धुँए को सीमा में रखें, पटाखों का इस्तेमाल न करें, कूड़ा-कचरा जलाऐं नहीं, नियत स्थान पर डालें, जरूरी हो तो थूकने के लिए बहती नालियों या थूकदान का इस्तेमाल करें।

जल प्रदूषण से बचने के लिए - नालों-कुओं-तालाबों-नदियों में गंदगी न, सार्वजनिक जल वितरण के साथ छेड़छाड़ न करें, विसर्जन नियत स्थान पर ही करें, पानी की एक भी बूँद बर्बाद न करें।

रासायनिक प्रदूषण से बचने के लिए- रासायनिक की जगह जैविक खाद, प्लास्टिक की जगह कागज, पोलिस्टर की जगह सूती कपड़े या जूट आदि का इस्तेमाल करें, प्लास्टिक की थैलियाँ आदि रास्ते में न फेंकें, ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे, हरियाली लगाए।

अत:हम सबको मिलकर प्रदूषण को बढ़ने से रोकना होगा अन्यथा आनेवाले वर्षो में हमारा जीवन दूभर हो जाएगा।

2. इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता तथा उससे होने वाले लाभ-हानि का जिक्र करते हुए प्रस्ताव लिखें।

इंटरनेट एक वैश्विक नेटवर्क है जो पूरी दुनिया के कम्प्यूटरों को एक साथ जोड़ता है। इसने रोज के कार्यों की प्राप्ति को बेहद आसान बनाया है जो कि एक समय कठिन लंबा और समय लेने वाला था। हमलोग बिना इसके अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते जिसको इंटरनेट कहा जाता है।

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सब-कुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी।

इंटरनेट के हमारे जीवन में प्रवेश के साथ ही, हमारी दुनिया बड़े पैमाने पर बदल गई कुछ सकारात्मक तो कुछ नकारात्क रुप में। ये विद्यार्थी, व्यापारी, सरकारी एजेंसी, शोध संस्थान आदि के लिये बहुत फायदेमंद है। इससे विद्यार्थी अपने पढ़ाई से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते थे, व्यापारी एक जगह से ही अपनी गतिविधियों को अंजाम दे सकता है, इससे सरकारी एजेंसी अपने काम को समय पर पूरा कर सकती है तथा शोध संस्थान और शोध करने के साथ ही उत्कृष्ट परिणाम दे सकती है।

विद्यार्थियों के लिए इसकी उपलब्धता जितनी लाभप्रद है उतनी ही नुकसानदायक भी क्योंकि बच्चे अपने माता-पिता के चोरी से इसके माध्यम से गलत वेबसाइटों का भी इस्तेमाल करते है जोकि उनके भविष्य को नुकसान पहुँचा सकता है। ज्यादातर माता-पिता इस खतरे को समझते है लेकिन कुछ इसे नज़रअंदाज कर देते है और खुलकर इंटरनेट का इस्तेमाल करते है। इसलिये घर में बच्चों द्वारा इंटरनेट का इस्तेमाल अभिवावकों की देखरेख में होनी चाहिए।

इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस अश्लील तस्वीरें, वीडियो बनाना, बेंक से पैसे निकाल लेना आदि। कई बार हमारे सिस्टम में रखे डाटा को बिना हमारी जानकारी के पासवर्ड होने के बावजूद भी इंटरनेट के द्वारा हैक कर लिया जाता है।

अत: सबको इंटरनेट के उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

3. मित्रता अनमोल धन है इस आधार पर सच्चे मित्रों की गुणों की चर्चा करते हुए सच्चे मित्र पर प्रस्ताव लेखन कीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में हर व्यक्ति के अनेक संबंध होते हैं। परस्पर सहयोग से रहना मानव का स्वभाव है। उसका सही स्वभाव मित्रता को जन्म देता है।

मित्रता एक अनमोल धन है। आज के युग में युग में सच्चा मित्र पाना स्वर्ग को पा लेने के समान है। सच्चा मित्र वह होता है, जो हमें अच्छे व बुरे का अहसास करवाए, साथ ही हमें कुमार्ग से सुमार्ग पर ले जाए। मित्रता में वह शक्ति है, जो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। मित्रता में मनुष्य एक-दूसरे का साथ देता है।

हर व्यक्ति को मित्र की आवश्यकता होती है। वह अपने दिल की हर बात निर्भयता से केवल अपने मित्र से कह सकता है। सच्चा मित्र अपने मित्र के सुख-दुख को अपना सुख-दुख मानता है।

रहीम जी ने कहा है -

“कह रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत
बिपत्ति-कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।। ”

अंग्रेजी कहावत के अनुसार सच्चा मित्र वही है जो समय पर काम आए। कृष्ण-सुदामा की मित्रता नि:स्वार्थ एवं पवित्र थी। यह सच्ची मित्रता का अनुपम उदाहरण है।

हमें चाहिए कि जब भी किसी को अपना मित्र बनाए तो सोच-विचार कर बनाए क्योंकि जहाँ एक सच्चा मित्र आपका साथ दे आपको ऊँचाई तक पहुँचा सकता है। कपटी मित्र अपने स्वार्थ के लिए आपको पतन के रास्ते पर ले जाता है।

संत कबीर कहते हैं कि -

“कपटी मित्र न कीजिए, पेट पैठि बुधि लेत।
आगे राह दिखाय के, पीछे धक्का देति।।”

कपटी आदमी से मित्रता कभी न कीजिये क्योंकि वह पहले पेट में घुस कर सभी भेद जान लेता है और फिर आगे की राह दिखाकर पीछे से धक्का देता है।

‘कबीर तहां न जाईय, जहां न चोखा चीत।
परपूटा औगुन घना, मुहड़े ऊपर मीत।’

ऐसे व्यक्ति या समूह के पास ही न जायें जिनमें निर्मल चित्त का अभाव हो। ऐसे व्यक्ति सामने मित्र बनते हैं पर पीठ पीछे अवगुणों का बखान कर बदनाम करते हैं।

(i) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : -

'अपना हाथ जगन्नाथ।'

मध्य प्रदेश के एक सुदूरवर्ती गाँव पाटनी में जमींदार राजसिंह रहते थे। उनके पास सैकड़ों बीघा जमीन थी। जमींदार राजसिंह को अपने नौकरों पर बड़ा भरोसा था इसलिए वे स्वयं कभी जमीनों की निगरानी करने नहीं जाया करते थे।

कुछ समय तक तो सबकुछ ठीक-ठाक चलता रहा परंतु धीरे-धीरे जमींदार राजसिंह को कृषि उपज में नुकसान होने लगा उन्हें इसका कारण समझ नहीं आ रहा था कि अच्छी खाद, बीज और कर्मचारी होने के बाद उन्हें नुकसान क्यों हो रहा है। एक दिन जमींदार राजसिंह के पुराने मित्र ठाकुर प्रताप उन्हें मिलने आए थे। अपने मित्र के चेहरे पर जब ठाकुर प्रताप ने चिंता देखी तो उन्हें बड़ा दुःख पहुँचा। मित्र से जब उनकी चिंता का कारण पता चला तो उन्होंने अपने मित्र को सुबह खेतों की सैर की सलाह दी। अपनी मित्र की सलाह पर जब जमींदार राजसिंह खेतों की सैर पर निकले तो पाया कि खेतों में काम करने वाले नौकर-चाकर गायब थे इतना ही नहीं खेती के उपयोग में आने वाले औजारों का भी कुछ पता न था। जमींदार राजसिंह ने तुरंत सभी को बुलाया और काम का ब्यौरा लिया। सभी नौकर अपनी गलती पर शर्मिंदा हुए।

उस दिन के बाद से जमींदार राजसिंह रोजाना खेतों की स्वयं निगरानी करने लगे जमींदार राजसिंह को देखकर नौकर भी अपने कामों को मन लगाकर करने लगे और उस साल जमींदार राजसिंह को दुगुना मुनाफा हुआ। इस तरह जमींदार राजसिंह की आँखें भी खुल गई। कभी भी दूसरों पर पूर्णत: निर्भर नहीं रहना चाहिए।

(ii) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र सफाई अभियान से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है।चित्र में कुछ बालिकाएँ हाथ में झाड़ू लेकर सफाई करती हुईं नज़र आ रही हैं। हमारे विद्यालय में भी समाज-सेवा अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विद्यालय के अध्यापक गणों द्वारा बच्चों को सफाई का महत्त्व समझाया गया तथा उन्हें इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अध्यापकों द्वारा छात्रों को समझाया गया कि यदि वे अपने वातावरण को साफ रखेंगे तो इससे वे कई बिमारियों से बच सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

इस अभियान में सभी ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कुछ छात्रों ने झाड़ू द्वारा विद्यालय के सामने वाले रास्ते की सफाई की, तो कुछ छात्रों ने रास्ते की ओर लगे पेड़-पौधों के आस-पास सफाई की। कुछ छात्र कूड़ेदान में कचरा इकट्ठा कर रहे थे तो कुछ पेड़ से गिरी सूखी पत्तियों को जमा कर रहे थे। विद्यालय के अध्यापक समय-समय पर छात्रों को निर्देश भी

दे रहे थे। इस तरह उस दिन का सफाई अभियान बड़ी सफलता के साथ पूरा हुआ।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) पिछले सप्ताह आपके विद्यालय के छात्रों ने 'वृक्ष हमारे मित्र' शीर्षक से शहर के कई सार्वजनिक स्थलों पर जनता को वृक्षों का महत्त्व बताने के लिए सभाएँ तथा गोष्ठियाँ कीं तथा पार्कों में वृक्षारोपण किया। इसकी सूचना देते हुए जनसत्ता समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

सेवा में
संपादक महोदय
जनसत्ता दैनिक
दिल्ली
दिनांक - 28 मार्च 2012
मान्यवर,

मैं आपके सम्मानित पत्र का नियमित पाठक हूँ और आपके संपादकीय लेख मुझे बहुत पसंद आते हैं। मैं आपको सूचित करना चाहता हूँ कि पिछले सप्ताह हमारे विदयालय के छात्रों ने 'वृक्ष हमारे मित्र' शीर्षक से शहर के कई सार्वजनिक स्थलों पर सभाएँ तथा गोष्ठियाँ आयोजित की और कुछ पार्कों में वृक्षारोपण किया।

पिछले सप्ताह मेरे विद्यालय के छात्रों ने शहर में जगह-जगह घूमकर वृक्षों का मानव के जीवन में महत्व दर्शाते हुए कुछ सभाएँ करके जन-जागरण करने का निश्चय किया। प्रात: 8 बजे ही हमारे विदयालय के चुनिंदा छात्रों का एक दल सभा करने टाउन हाल पहुँचा। टाउन हॉल के केंद्रीय हॉल में हमने एक सभा की। वहाँ शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस सभा को मुख्य वक्ताओं ने संबोधित किया। इस सभा के बाद पीस लाइब्रेरी

में जो एक गोष्ठी रखी थी, हम वहा पहुँचे और गोष्ठी का आयोजन किया। तत्पश्चात नेहरू पार्क में 35 पौधों का रोपण किया। हमें अपने इस कार्य में शहर के भद्र व विज्ञजनों का भरपूर सहयोग मिला। आपसे निवेदन है कि इस कार्यक्रम से संबंधित समाचार अपने समाचार पत्र में प्रकाशित करके हमें अनुग्रहीत करें।

सधन्यवाद।

भवदीय

रोहन खुराना

(ii) मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर बधाई-पत्र लिखिए।

राजा शिवाजी विद्यालय छात्रावास

मैनपुरी

उत्तर-प्रदेश

दिनाँक : 03 फरवरी, 2015

प्रिय मित्र अनुज

सप्रेम नमस्ते

अभी-अभी तुम्हारा पत्र मिला। अंतर्विदयालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह पढ़कर मन खुशी से झूम उठा। इस अवसर पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करो। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम भविष्य में ऐसी ही सफलताएँ प्राप्त करते रहो।

तुम्हारे माता पिता को मेरी ओर से सादर प्रणाम तथा छोटी बहन हेमाली को प्यार।

तुम्हारा मित्र

अमर

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

'विद्यार्थी' शब्द का जन्म विद्या से हुआ है। विद्या द्वारा मनुष्य एक अच्छा मनुष्य एवं अच्छा नागरिक बनता है और देश की प्रगति में सहभागी होता है। इसलिए सबको आदर्श विद्यार्थी बनने का प्रयास करना चाहिए। 'आदर्श विद्यार्थी' इन शब्दों का उच्चारण करते हुए हमें ऐसे व्यक्ति का स्मरण हो आता है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्राप्त करना होता है। वह विद्या-अनुरागी, जिज्ञासु, परिश्रमी, सदाचारी और सुशील होता है। आदर्श विद्यार्थी मात्र अपनी कक्षा की पुस्तकों से संतुष्ट नहीं होता बल्कि वह अन्य पुस्तकों, पत्र और पत्रिकाओं का भी समान रुप से अध्ययन करता है। पढ़ाई के अलावा खेलकूद व अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। उसे विद्यालय में होने वाली सभी तरह की गतिविधियों में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए। एक आदर्श विद्यार्थी अपने लक्ष्य को हमेशा ध्यान में रखता है। जीवन को सही दिशा देना ही एक आदर्श विद्यार्थी का कार्य होता है। हमारी शिक्षा हमें पैरों में खड़े रहना सिखाती है। जो विद्या दूसरों के हितों और कार्यों के लिए समर्पित हो, वही सही सच्चे अर्थों में शिक्षा कहलाती है। आदर्श विद्यार्थी को चाहिए अपनी शिक्षा का सदुपयोग करते हुए सबके हितों के लिए कार्य करे।

1. 'विद्यार्थी' शब्द का जन्म किससे से हुआ है?

   उत्तर : 'विद्यार्थी' शब्द का जन्म विद्या से हुआ है।

2. विद्या का मनुष्य पर क्या प्रभाव होता है?

   उत्तर : विद्या द्वारा मनुष्य एक अच्छा मनुष्य एवं अच्छा नागरिक बनता है और देश की प्रगति में सहभागी होता है।

3. 'आदर्श विद्यार्थी' में कौन- कौन से गुण होते है?

उत्तर : 'आदर्श विद्यार्थी' विद्या-अनुरागी, जिज्ञासु, परिश्रमी, सदाचारी और सुशील होता है। आदर्श विद्यार्थी मात्र अपनी कक्षा की पुस्तकों से संतुष्ट नहीं होता बल्कि वह अन्य पुस्तकों, पत्र और पत्रिकाओं का भी समान रुप से अध्ययन करता है। पढ़ाई के अलावा खेलकूद व अन्य गतिविधियों में भी भाग लेता है।

4. हमारी शिक्षा हमें क्या सिखाती है?

उत्तर : हमारी शिक्षा हमें पैरों में खड़े रहना सिखाती है। जो विद्या दूसरों के हितों और कार्यों के लिए समर्पित हो, वही सही सच्चे अर्थों में शिक्षा कहलाती है।

5. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

उत्तर : 'आदर्श विद्यार्थी'

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : -

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : - [1]
   - सभा - सभ्य
   - पुरुष - पुरुषार्थी

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]

   बुद्धि - मति, मेधा, विवेक

   मनुष्य - मानुष, नर, पुरुष

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]

- इहलोक - परलोक
- उत्कर्ष - अपकर्ष
- उधार - नकद
- कड़वा - मीठा

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : - [1]

- समान - समानता
- जीना - जीवन

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]

- काला अक्षर भैंस बराबर - आज भी कई गाँवों में कुछ लोगों के लिए काला अक्षर भैंस बराबर है।
- आँखों का तारा - हर संतान अपने माता-पिता के आँखों का तारा होती है।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) उसकी बात सुनकर मैं घबरा गया। ('घबराहट' का प्रयोग कीजिए।) [1]
उत्तर : उसकी बात सुनकर मुझे घबराहट होने लगी।

(b) उसका प्रयास <u>प्रशंसा के योग्य है</u>। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]
उत्तर : उसका प्रयास प्रशंसनीय है।

(c) अध्यापक छात्र को पढ़ाता है। (द्वारा शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]
उत्तर : अध्यापक द्वारा छात्र को पढ़ाया गया।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“लालबिहारी को भावज की यह ढिठाई बुरी मालूम हुई तिनकर बोला मैके में तो जैसे घी की नदियाँ बहती हो। स्त्रियाँ गालियाँ सह लेती है, मार भी सह लेती है,पर उससे मैके की निंदा नहीं सही जाती।”

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. आनंदी और उसके देवर के बीच झगड़े का क्या कारण था? [2]

उत्तर : आनंदी ने सारा पावभर घी मांस पकाने में उपयोग कर दिया था जिसके कारण दाल में घी नहीं था। दाल में घी का न होना यही उनके झगड़े का कारण था।

2. लालबिहारी के किस कथन से आनंदी को दुःख पहुँचा और क्यों? [2]

उत्तर : घी की बात को लेकर लालबिहारी ने अपनी भाभी को ताना मार दिया कि जैसे उनके मायके में घी को नदियाँ बहती हैं और यही आनंदी के दुःख का कारण था क्योंकि आनंदी बड़े घर की बेटी थी उसके यहाँ किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी।

3. उपर्युक्त संवाद का प्रसंग स्पष्ट कीजिए? [3]

उत्तर : आनंदी बड़े घर की बेटी होने के कारण किफायत नहीं जानती थी इसलिए आनंदी ने हांडी का सारा घी मांस पकाने में उपयोग कर दिया जिसके कारण दाल में डालने के लिए घी नहीं बचा और इसी कारणवश देवर और भाभी में झगडा हो जाता है।

4. स्त्रियाँ गालियाँ सह लेती है, मार भी सह लेती है, पर उससे मैके की निंदा नहीं सही जाती से क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : उपर्युक्त संवाद से तात्पर्य स्त्री आत्मगौरव से है। भले ही स्त्रियों की शादी हो जाए, काम के सिलसिले में उन्हें दूसरे शहर और घर में रहना पड़े, सफलता के शिखर को छू लें परंतु मायका ऐसा संवेदनशील विषय है जिसे स्त्री कभी भी छोड़ नहीं पाती है। वे सब कुछ सह लेगी लेकिन कभी भी अपने माता-पिता और मायके की बुराई नहीं सुन सकती।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वर्षा के अनंतर एक दो दिन में ही पृथ्वी के ऊपर का पानी तो अगोचर हो जाता है, परंतु भीतर-ही-भीतर उसकी आर्द्रता जैसे बहुत दिन तक बनी रहती है, वैसे ही उसके अंतस्तल में वह शोक जाकर बस गया था।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. उपर्युक्त कथन किससे संबंधित है? उसका परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन इस कहानी के मुख्य पात्र श्यामू से संबंधित है। वह अपनी माँ से बहुत प्यार करता है। वह इतना अबोध बालक

है कि सत्य और असत्य के ज्ञान से अपरिचित होने के कारण अपनी माँ की मृत्यु की बात भी नहीं समझ पाता। उसे लगता है उसकी माँ ईश्वर के पास गई है जिसे वह पतंग की डोर के सहारे नीचे ला सकता है।

2. प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ यह है कि श्यामू अपनी माँ की मृत्यु के बाद बहुत रोता था और उसे चुप कराने के लिए घर के बुद्धिमान गुरुजनों ने उसे यह विश्वास दिलाया कि उसकी माँ उसके मामा के यहाँ गई है। लेकिन आस-पास के मित्रों से उसे इस सत्य का पता चलता है कि उसकी माँ ईश्वर के पास गई है। इस प्रकार बहुत दिन तक रोते रहने के बाद उसका रुदन तो शांत हो जाता है लेकिन माँ के वियोग की पीड़ा उसके हृदय में शोक बनकर बस जाता है।

3. नन्हें बालक के लिए माँ का वियोग सबसे बड़ा वियोग होता है स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : अबोध बालकों का सारा संसार अपनी माँ के आस-पास ही घूमता रहता है। उनके लिए माँ से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। बालक की माँ बिना बोले ही उसकी सारी बातें समझ लेती है। साथ ही बालकों का हृदय अत्यंत कोमल, भावुक और संवेदनशील होता है और वे मातृ-वियोग की पीड़ा को सहन नहीं कर पाते हैं। और वैसे भी माँ का स्थान इस संसार में कोई नहीं ले सकता इसलिए अपनी माँ को खोना एक बालक के लिए सबसे बड़ा वियोग होता है।

4. श्यामू अकसर शून्य में क्यों ताका करता था? [3]

उत्तर : अबोध बालक होने के कारण श्यामू अपनी माँ की मृत्यु की वास्तविकता से अपरिचित था। बड़ों के समझाने पर उसे लगता था कि उसकी माँ उसके मामा के पास गईं हैं लेकिन हमउम्र के बच्चों से उसे पता चलता है कि उसकी माँ राम के पास गई है। वह पहले अपनी माँ के लिए बहुत रोता था परंतु धीरे उसका रोना तो कम हो गया परंतु फिर भी उसकी माँ नहीं लौटी अत: श्यामू अकसर अपनी माँ के वियोग दुःख को सहन न कर पाने के कारण शून्य में ताका करता था।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

विपत्ति में भी मेरे पति ने धर्म नहीं छोड़ा। धन्य हैं मेरे पति! सेठ के चरणों की रज मस्तक पर लगाते हुए बोली, "धीरज रखें, भगवान सब भला करेंगे।"

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण की वक्ता सेठ की पत्नी है।सेठ की पत्नी भी बुद्धिमत्ती स्त्री है। मुसीबत के समय अपना धैर्य न खोते हुए उसने अपने पति को अपना एक यज्ञ बेचने की सलाह दी। विपत्ति की स्थिति में वह अपने पति को ईश्वर पर विश्वास और धीरज धारण करने को कहती है। इस प्रकार सेठ की पत्नी भी कर्तव्य परायण, धीरवती, ईश्वर पर निष्ठा रखने वाली और संतोषी स्त्री थी।

2. वक्ता ने अपने पति की रज मस्तक पर क्यों लगाई? [2]

उत्तर : सेठानी के पति जब कुंदनपुर गाँव से धन्ना सेठ के यहाँ से खाली हाथ घर लौटे तो पहले तो वे काँप उठी पर जब उसे सारी घटना की जानकारी मिली तो उनकी वेदना जाती रही। उनका हृदय यह देखकर उल्लसित हो गया कि विपत्ति में भी उनके पति ने अपना धर्म नहीं छोड़ा और इसी बात के लिए सेठानी ने अपने पति की रज मस्तक से लगाई।

3. सेठानी भौचक्की-सी क्यों खड़ी हो गई?

उत्तर : रात के समय सेठानी उठकर दालान में दिया जलाने आईं तो रास्ते में किसी चीज से टकराकर गिरते-गिरते बची दिया। सँभलकर आले तक पहुँची और दिया जलाकर नीचे की ओर निगाह डाली तो देखा कि दहलीज के सहारे पत्थर ऊँचा हो गया है जिसके बीचों बीच लोहें का कुंदा लगा है। शाम तक तो वहाँ वह पत्थर बिल्कुल भी उठा नहीं था अब यह अकस्मात कैसे उठ गया? यही सब देखकर सेठानी भौचक्की-सी खड़ी हो गई।

4. सेठ को धन की प्राप्ति किस प्रकार हुई? [3]

उत्तर : सेठानी ने जब सेठ को बुलाकर दालान में लगे लोहे कुंदे के बारे में बताया तो सेठ जी भी आश्चर्य में पड़ गए। सेठ ने कुंदे को पकड़कर खींचा तो पत्थर उठ गया और अंदर जाने के लिए सीढ़ियाँ निकल आईं। सेठ और सेठानी सीढ़ियाँ उतरने लगे कुछ सीढ़ियाँ उतरते ही इतना प्रकाश सामने आया कि उनकी आँखें चौंधियाने लगी। सेठ ने देखा वह एक विशाल तहखाना है और जवाहरातों से जगमगा रहा है। इस तरह सेठ को धन की प्राप्ति हुई।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैं पूर्णता की खोज में
दर-दर भटकता ही रहा
प्रत्येक पग पर कुछ न कुछ
रोडा अटकता ही रहा
निराशा क्यों मुझे?
जीवन इसी का नाम है,
चलना हमारा काम है।
साथ में चलते रहे
कुछ बीच ही से फिर गए
गति न जीवन की रूकी
जो गिर गए सो गिर गए
रहे हर दम,
उसी की सफलता अभिराम है,
चलना हमारा काम है ।
कविता- चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. प्रस्तुत कविता में कवि दर-दर क्यों भटकता है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत कविता में कवि पूर्णता की चाह रखता है और इसी पूर्णता को पाने के लिए वह दर-दर भटकता है।

2. 'जीवन इसी का नाम है से क्या तात्पर्य है? [2]

उत्तर : जीवन इसी का नाम से तात्पर्य आगे बढ़ने में आने वाली रुकावटों से है। कवि के अनुसार इस जीवन रूपी पथ पर आगे बढ़ते हुए

हमें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है परंतु हमें निराश या थककर नहीं बैठना चाहिए। जीवन पथ पर आगे बढ़ते हुए बाधाओं का आना स्वाभाविक है क्योंकि जीवन इसी का नाम होता है जब हम इन बाधाओं को पार कर आगे बढ़ते हैं।

3. 'जो गिर गए सो गिर गए रहे हर दम, उसी की सफलता अभिराम है, चलना हमारा काम है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय निरंतर गतिशीलता से है। जीवन के पड़ाव में कई मोड़ आते हैं, कई साथी मिलते है, कुछ साथ चलते हैं तो कुछ बिछड़ भी जाते हैं। पर इसका यह अर्थ नहीं कि जीवन थम जाए जो भी कारण हो लेकिन जीवन को अबाध गति से चलते ही रहना चाहिए।

4. शब्दार्थ लिखिए - रोड़ा, निराशा, अभिराम [3]

उत्तर : रोड़ा - बाधा

निराशा - दुःख

अभिराम - सुंदर

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह दिनकर

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते।

2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]

   उत्तर : मानव के विकास के पथ पर अनेक प्रकार की मुसीबतें उसकी राह रोके खड़ी रहती है तथा विशाल पर्वत भी राह रोके खड़े रहता है। मनुष्य जब इन सब विपत्तियों को पार कर आगे बढ़ेगा तभी उसका विकास संभव होगा।

3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]

   उत्तर : ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह

साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते। सभी लोग सुखी और होंगे। इस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है।

4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]

उत्तर : शमित - शांत
विकीर्ण - बिखरे हुए
कोलाहल - शोर
विघ्न - रूकावट
चैन - शांति
पल - क्षण

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरकाए।
कविता - मेघ आए
कवि - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [2]

उत्तर : मेघ रूपी मेहमान के आने से हवा के तेज बहाव के कारण आँधी चलने लगती है जिससे पेड़ कभी झुक जाते हैं तो कभी उठ जाते हैं। दरवाजे खिड़कियाँ खुल जाती हैं। नदी बाँकी होकर बहने लगी।

पीपल का वृक्ष भी झुकने लगता है, तालाब के पानी में उथल-पुथल होने लगती है, अंत में आसमान से वर्षा होने लगती है।

2. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का भाव यह है कि मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ा है। नदी ठिठककर कर जब ऊपर देखने की चेष्टा करती है तो उसका घूँघट सरक जाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए आंगतुक को देखने लगती है।

3. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [3]

उत्तर : कवि ने मेघों में सजीवता लाने के लिए बन ठन की बात की है। जब हम किसी के घर बहुत दिनों के बाद जाते हैं तो बन सँवरकर जाते हैं ठीक उसी प्रकार मेघ भी बहुत दिनों बाद आए हैं क्योंकि उन्हें बनने सँवरने में देर हो गई थी।

4. शब्दार्थ लिखिए - बन ठन के, बाँकी चितवन, पाहून, ठिठकना, बयार, गरदन [3]

उत्तर : बन ठन के - सज-धज के

बाँकी चितवन - तिरछी नजर

पाहुन - अतिथि

ठिठकना - सहम जाना

बयार - हवा

गरदन - ग्रीवा

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अपराध और किसका है। सब मुझी को दोष देते हैं। मिसरानी कह रही थी बहू किसी की भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. यहाँ पर किसके कौन-से अपराध की बात हो रही है? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ खुद के रुढ़िवादी विचारों तथा जात-पात के संस्कारों को मानने के अपराध की बात कर रही है।

2. माँ ने अविनाश की बहू को क्यों नहीं अपनाया? समझाकर लिखिए। [2]

उत्तर : माँ एक हिन्दू वृद्धा है। वे हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। माँ भी वहीं करना चाहती थी। उसका बड़ा बेटा अविनाश अपनी माँ की इच्छा के विरुद्ध एक बंगाली लड़की से प्रेम-विवाह कर आया परन्तु माँ ने अपनी रूढ़िवादी मानसिकता के कारण विजातीय बहू को नहीं अपनाया।

3. बहू ने किसे और किस बीमारी से प्राण देकर बचा लिया? [3]

उत्तर : बहू ने अपने पति अविनाश को हैजे की बीमारी से प्राण देकर बचा लिया। हैजे की बीमारी को छुआ-छूत की बीमारी माना जाता है।

4. बहू किसकी, कौन और किस जाति की थी? [3]

उत्तर : बहू अविनाश की पत्नी थी जो की विजातीय (बंगाली) महिला थी।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान को जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी की विदा करना चाहती हो तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजें।

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. वक्ता और श्रोता कौन है? [2]

उत्तर : वक्ता जीवन लाल, कमला के ससुर है और श्रोता प्रमोद है जो अपनी बहन कमला की विदा के लिए उसके ससुराल आया है।

2. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]

उत्तर : यहाँ वक्ता जीवन लाल है। जीवन लाल अत्यंत लोभी, लालची और असंवेदनशील व्यक्ति है।

3. जीवनलाल के अनुसार किस वजह से उनके नाम पर धब्बा लगा है? [3]

उत्तर : जीवनलाल के अनुसार बेटे की शादी में बहू कमला के परिवार वालों ने उनकी हैसियत के हिसाब से उनकी खातिरदारी नहीं की तथा कम दहेज दिया। इससे उनके मान पर धब्बा लगा है।

4. 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय दहेज से है। जीवन लाल शादी में कम दहेज मिलने के घाव को पाँच हजार रूपी मरहम देकर दूर करने को कहते हैं।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ.रामकुमार वर्मा

1. उपयुक्त वाक्य का प्रसंग स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त वाक्य बनवीर धाय पन्ना से कहता है जब वह कुँवर को मारने जाता है और पन्ना उन्हें रोकने का प्रयास करती है। पन्ना उसे कहती है कि मैं कुँवर को लेकर संन्यासिनी बन जाऊँगी, तुम ताज रख लो कुँवर के प्राण बक्श दो।

2. पन्ना ने कुँवर को सुरक्षित स्थान पर किस तरह पहुँचाया? [2]

उत्तर : पन्ना धाय को जैसे ही बनवीर के षडयंत्र का पता चला वैसे ही पन्ना ने सोये हुए कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया।

3. पन्ना ने क्या बलिदान दिया? [3]

उत्तर : पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार

डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

4. प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए। [3]

उत्तर : महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा।

पन्ना धाय स्वर्गीय महाराणा साँगा की स्वामिभक्त सेविका है। वह कर्तव्यनिष्ठ तथा आदर्श भारतीय नारी है। वह हमेशा कुँवर की सुरक्षा का ध्यान रखती है।

सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है। परंतु वह नहीं मानती।

बनवीर ने दीपदान उत्सव का आयोजन किया। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है। तभी किसी ने पन्ना को यह खबर दी और पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह स्वयं ही दृढ़ता व साहस की मूर्ति थी। उतार चढ़ाव तो हर इंसान की जिंदगी में आते ही रहते हैं। उसने विवाह का सपना ही देखना छोड़ दिया। उसके सामने इतनी लंबी जिंदगी पड़ी थी, जिसका वह एक क्षण भी व्यर्थ नहीं होने देना चाहती थी।

1. लेखिका मीनू को दृढ़ता व साहस की मूर्ति क्यों कह रही है? [2]

उत्तर : मीनू के रंग-रूप के कारण वह अनेक बार ठुकराई जा चुकी थी परंतु मेरठ वाले रिश्ते से उसे काफी उम्मीदें बंधी थी लेकिन वहाँ से भी जब उसे ठुकराया गया तो वह एकदम टूट सी जाती है। उसे लगने लगता है कि उसका जीवन व्यर्थ है। पर जल्दी हो अपने आप को संभाल लेती है और विवाह न करने का संकल्प लेकर अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में लग जाती है।

2. विवाह के अलावा मीनू के जीवन का लक्ष्य क्या था? [2]

उत्तर : यूँ तो मीनू को बचपन से ही वकील बनने की इच्छा थी परंतु उसके माता-पिता उसे होस्टल भेजने के पक्ष में न होने के कारण उसकी यह इच्छा पूरी नहीं हो पा रही थी। पर अंत में मीनू की लगन देखकर उन्होंने उसे आज्ञा दे दी इस प्रकार विवाह के अलावा मीनू का लक्ष्य वकील बनना था।

3. मीनू समाज के झूठे आवरण को हटाकर एक सत्य दिखाना चाहती है - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर मीनू समाज को यह दिखाना चाहती थी कि केवल विवाह ही किसी लड़की की मंजिल नहीं होती है। लड़की के सामने विवाह के अतिरिक्त भी अन्य कई विकल्प मौजूद होते है।

4. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ यह है कि इंसान को परिस्थिति के आगे हार नहीं माननी चाहिए। मीनू ने भी परिस्थिति के आगे हार नहीं मानी और अपना ध्यान लक्ष्य को पूरा करने में केंद्रित कर दिया।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]

उत्तर : घर लौटने पर माया राम का इतजार उनके ही शहर के के एक धनी व्यक्ति कर रहे थे। उनकी बेटी सरिता विवाह योग्य हो गई थी अत: वे मायाराम के पास अपनी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे।

2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]

उत्तर : अमित ने जब अपनी माँ से यह जानना चाहा कि क्या बड़े घर की बेटी उनके घर के वातावरण में मीनू की तरह घुल-मिल पाएँगी तो माँ ने जवाब दिया कि हम किसी के व्यवहार के बारे

में तब तक कुछ नहीं बता सकते जब तक हम उनके साथ नहीं रहते। फिर चाहे लड़की छोटे घर की हो या बड़े घर की।

3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]

उत्तर : घर वाले अमित के लिए आए धनी सरिता का रिश्ता ठुकराना नहीं चाहते थे परंतु उनके सामने यह समस्या खाड़ी हो गई कि मीनू का रिश्ता किस प्रकार ठुकराया जाय। तभी माताजी को एक युक्ति सूची कि मीनू का रिश्ता यह कहकर ठुकराया जाय कि मीनू की अपेक्षा उन्हें उनकी छोटो बेटी आशा पसंद है। यदि वे शादी करना चाहते ही हैं तो आशा के साथ अमित की शादी करवाँ दें। अब यह तो सबको पता है कि बड़ी बेटी के होते कोई अपनी छोटी बेटी का विवाह पहले नहीं करेगा और अत: बिना ना कहे भी यह रिश्ता न होगा।

4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

उत्तर : अमित के पिता की मन:स्थिति विकल हो गई क्योंकि वे भी स्वयं एक बेटी के पिता थे और यह समझते थे कि बेटी का रिश्ता ठुकराया जाना क्या होता है। इसलिए मीनू के पिता को पत्र रिश्ता ठुकराने का पत्र भेजने के बाद उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूसरे दिन प्रात: होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों में दयाराम जी के घर उनकी बेटी मीनू को देखने मेरठ से मायाराम जी का परिवार आ रहा है।

2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [2]

उत्तर : दयाराम जी की बेटी मीनू साँवली होने के कारण अभी तक उसे कोई पसंद नहीं कर पाया था लेकिन मेरठ वालों को उसकी फोटो पसंद आ गई थी। अत: सभी को लगता था कि इस बार मीनू का रिश्ता हो ही जाएगा इसीलिए आने वाले मेहमान को महत्त्व दिया जा रहा था।

3. “विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ....” विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : आज भी हमारे यहाँ लड़की वालों के यहाँ रिश्ता लेकर आना उत्सव से कम नहीं होता इसलिए वे अपनी तरफ़ से कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। अपनी हैसियत के मुताबिक या उससे भी बढ़ चढ़ कर मेहमानों को खुश करने का प्रयास करते हैं।
यहाँ पर भी दयाराम जी बेटी मीनू को देखने के संदर्भ में विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ का उल्लेख किया गया है।

4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

उत्तर : अभी तक मीनू के रंग-रूप के कारण उसका कहीं रिश्ता नहीं हो पाया था परंतु इस बार मेरठ में रहने वाले मायाराम जी के परिवार वालों को मीनू का फोटो पसंद आ गया था अत: परिवार वालों को इस बार पूरी उम्मीद थी कि इस बार मीनू का रिश्ता पक्का हो ही जाएगा।